भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2348

सोमवार, 3 अगस्त, 2026/12 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

सतत् पर्यटन अवसंरचना के लिए प्रमुख प्रदर्शन संकेतक

†2348. श्री बलभद्र माझी:
श्री राधेश्याम राठिया:
श्रीमती मालविका देवी:
श्री दुलू महतो:
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:
श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह:
श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल:
श्री अभिमन्यु सेठी:
श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन:
श्री अनिल फिरोजिया:
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:
श्री प्रवीण पटेल:
डॉ. राजेश मिश्रा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश भर में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, विशेषकर से राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र जिसमें नाथद्वारा, कुंभलगढ़ और उदयपुर तथा इसके आसपास के क्षेत्र शामिल हैं और नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र जिसमें देओब्राह्मणी मंदिर (पपराहांडी), टेंटासीकुंडी, चंदन धारा जलप्रपात, बालीमिला जलाशय, सतीगुड़ा बांध और आमाकुंडा शामिल हैं, में विभिन्न केंद्रीय पर्यटन योजनाओं के तहत पूर्ण की गई सतत् पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं की सफलता का मूल्यांकन करने के लिए उपयोग किए जा रहे प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई), जिसमें पर्यटकों की संख्या, रोजगार सृजन, स्थानीय आय, पर्यावरणीय स्थिरता और आगंतुक संतुष्टि से संबंधित मानदंड शामिल हैं, संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) गंतव्य विकास परियोजनाओं के नियोजन और कार्यान्वयन के दौरान, विशेषकर से नबरंगपुर और मलकानगिरी जिलों तथा कालाहांडी जैसे जनजातीय और आकांक्षी जिलों में उक्त पर्यटन स्थलों में स्वदेशी, स्थानीय समुदाय के नेताओं, स्थानीय स्वशासन संस्थानों, पारंपरिक नेताओं और अन्य हितधारकों को शामिल करने के लिए लागू तंत्र का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने नबरंगपुर और मलकानगिरी जिलों तथा सीधी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन स्थलों से होने वाले आर्थिक प्रभाव, पर्यटकों की संख्या और रोजगार सृजन का समय-समय पर आकलन करने के लिए कोई संस्थागत तंत्र स्थापित किया है;

(घ) यदि हां, तो उक्त पर्यटन स्थलों के विकास, प्रचार-प्रसार और पर्यटन अवसंरचना के लिए स्वीकृत या प्रस्तावित परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार द्वारा ओडिशा के कालाहांडी जिले में पर्यटन स्थलों का कोई आकलन किया गया है और यदि हां, तो केंद्रीय पर्यटन योजनाओं के तहत इसकी समृद्ध जनजातीय, सांस्कृतिक, पुरातात्विक और पर्यावरण-पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित उपायों संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं जैसे 'स्वदेश दर्शन' (एसडी), 'स्वदेश दर्शन 2.0' (एसडी 2.0), 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' (सीबीडीडी) - स्वदेश दर्शन के तहत एक पहल और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) आदि के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रशासनों को, उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर, योजना दिशानिर्देशों और सरकारी निर्देशों के अनुरूप तथा निधियों की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अध्यधीन पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने हेतु देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

भारत सरकार ने अपनी 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' के तहत वर्ष 2024-25 में कई परियोजनाओं को भी मंजूरी प्रदान की है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का व्यापक विकास, वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग एवं विपणन करना है।

इसके अलावा, उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की विभिन्न स्तरों पर नियमित रूप से निगरानी की जाती है। स्वदेश दर्शन 2.0 के दिशा-निर्देशों में राष्ट्रीय संस्थागत कार्यढांचा शामिल है जिसमें केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (सीएसएमसी), मिशन निदेशालय (एमडी) आदि, राज्य संस्थागत कार्यढांचा एवं गंतव्य प्रबंधन समितियां शामिल हैं, जिन्हें राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा स्थापित किया जाना है। मंत्रालय ने अपनी विभिन्न योजनाओं के भाग के रूप में शुरू की गई परियोजनाओं के संबंध में निर्बाध सूचना, संचार, साझाकरण और रिपोर्टिंग प्रणाली की सुविधा प्रदान करने के लिए एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी गंतव्य विकास संबंधी योजनाओं की निगरानी के लिए एक कार्यक्रम प्रबंधन सूचना प्रणाली (पीएमआईएस) भी विकसित की है। पर्यटन मंत्रालय एवं परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों सहित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन इस प्रणाली का अभिन्न हिस्सा हैं।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत प्रस्तुत परियोजना प्रस्तावों में गंतव्य पर वर्तमान में पर्यटकों की संख्या, परियोजना स्थल पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से होने वाला रोजगार सृजन और परियोजना से संभावित राजस्व स्रोतों को शामिल करने हेतु अधिदेशित करता है ताकि परियोजनाओं के पूरा होने पर प्रचालन एवं रखरखाव लागतों को पूरा किया जा सके।

पर्यटन के मुख्य उत्पादों जैसे पर्यटन गतिविधियों, सुरक्षा, स्वच्छता, अंतिम छोर तक संपर्कता, पार्किंग, सामान्य स्थल विकास एवं डिजिटलीकरण, कौशल आदि जैसे अमूर्त घटकों सहित परियोजना की आवश्यकता के अनुसार गंतव्यों पर पर्यटन सुविधा बढ़ाने वाले कई घटकों को ध्यान में रखते हुए मंजूरी प्रदान करने पर विचार किया जाता है।

नबरंगपुर, मलकानगिरी और कालाहांडी जिलों के विकास हेतु पर्यटन मंत्रालय में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

राजस्थान, ओडिशा और मध्य प्रदेश राज्यों में नाथद्वारा, कुंभलगढ़ और उदयपुर (राजस्थान) एवं सीधी (मध्य प्रदेश) के गंतव्यों सहित उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

श्री बलभद्र माझी, श्री राधेश्याम राठिया, श्रीमती मालविका देवी, श्री दुलू महतो, श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल, श्री अभिमन्यु सेठी, श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन, श्री अनिल फिरोजिया, श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़, श्री प्रवीण पटेल और डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा सतत् पर्यटन अवसंरचना के लिए प्रमुख प्रदर्शन संकेतक के संबंध में दिनांक 03.08.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †2348 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

(i) राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन, स्वदेश दर्शन 2.0, एसएएससीआई, प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र. सं.	**परियोजना/अनुभव का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रू. में)**
	स्वदेश दर्शन		
1.	सांभर झील टाऊन और अन्य गंतव्यों का विकास	2015-16	50.01
2.	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटू श्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	2016-17	75.80
3.	आध्यात्मिक परिपथ - 'चूरू का विकास (सालासर बालाजी)- जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बंधे के बालाजी) विराटनगर (बीजक, जैनसियां, अंबिका मंदिर)- भरतपुर (कामां क्षेत्र)- धौलपुर (मुचकुंड)- मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	2016- 17	87.05
4.	विरासत परिपथ राजसमंद का विकास (कुंभलगढ़) का किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले के अग्र भाग में प्रकाश व्यवस्था) - झालावाड़ (गागरोन किला) चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग -ई- नीलोफर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता)- टोंक (सुनहरी) कोठी का विकास	2017- 18	70.61
	स्वदेश दर्शन 2.0		
1.	श्री खाटू श्याम जी मंदिर (सीकर) में विकास कार्य	2024-25	87.87
2.	आध्यात्मिक अनुभव, केशवरायपाटन	2023-24	21.65
3.	श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर में विकास कार्य	2025-26	22.58
4.	मालासेरी डूंगरी, जिला भीलवाड़ा का विकास	2025-26	48.73
	एसएएससीआई		
1.	आमेर- नाहरगढ़ और जयपुर में आसपास के क्षेत्र में विकास	2024- 25	49.31
2.	जयपुर में जल महल का विकास	2024- 25	96.61

प्रशाद			
1.	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64

(ii) ओडिशा राज्य में स्वदेश दर्शन, एसएएससीआई, प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र. सं.	**परियोजना/अनुभव का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रू. में)**
स्वदेश दर्शन			
1.	गोपालपुर, बर्कुल, सतपाडा और तंपारा का विकास	2016-17	70.82
एसएएससीआई			
1.	हीराकुंड का विकास	2024- 25	99.90
2.	सतकोषिया का विकास	2024- 25	99.99
प्रशाद			
1.	मेगा परिपथ के तहत पुरी, श्री जगन्नाथ धाम - रामचंडी - प्राची रिवर फ्रंट, देमाली में अवसंरचना का विकास	2014-15	50.00

(iii) मध्य प्रदेश राज्य में स्वदेश दर्शन, स्वदेश दर्शन 2.0, चुनौती आधारित गंतव्य विकास, प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र. सं.	**परियोजना/ अनुभव का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रू. में)**
स्वदेश दर्शन			
1.	पन्ना - मुकुंदपुर - संजय - डूबरी - बांधवगढ़ - कान्हा - मुक्की - पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	2015-16	92.10
2.	साँची-सतना-रीवा-मंदसौर-धार का विकास	2016-17	74.02
3.	ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास	2016-17	89.82
4.	गांधीसागर बांध- मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बरगी बांध- भेडा घाट - बाणसागर बांध- केन नदी का विकास	2017-18	93.76
स्वदेश दर्शन 2.0			
1.	चित्रकूट में आध्यात्मिक अनुभव	2023-24	27.22
2.	फूलबाग अनुभव क्षेत्र	2023-24	16.74
3.	पीताम्बरा पीठ दतिया का विकास	2025-26	44.24
चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)			
1.	ओरछा एक मध्यकालीन वैभव 2.0	2024-25	25.00
2.	मांडू-एक मध्यकालीन आश्चर्य	2025-26	24.88
एसएएससीआई			
1.	ओरछा- ओरछा में मध्यकालीन वैभव	2024- 25	99.92

2.	एमआईसीई के लिए भोपाल में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र	2024- 25	99.38
प्रशाद			
1.	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99
2.	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93

******